



भारत का राजपत्र

The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड ३—उप-खण्ड (१)
PART II—Section 3—Sub-section (1)

प्रधानमंत्री द्वारा प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 405]

नई दिल्ली, मंगलवार, अगस्त 1, 1989/आषाढ़ 10, 1911

No. 405]

NEW DELHI, TUESDAY, AUGUST 1, 1989/SRAVANA 10, 1911

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या वाली हुई रिक्ससे कि यह अलग संकलन के रूप में
रखा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a
separate compilation

वित्त मंत्रालय

(राजस्व विभाग)

प्रधिमचन्नार्थ

नई दिल्ली, 1 अगस्त, 1989

मं. 213/89-सीमाशूक

मा.का.नि. 733(प्र) — केन्द्रीय राजकार, सीमाशूक प्रधिनियम, 1962 (1962 का 52) की धारा 25 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करते हुए, अपना यह समाधान हो जाने पर, कि लोक सभा में ऐसा करना आवश्यक है, खपते वाले माल को जब उसका भारत राजकार के प्रान्तिक विभाग या परमाणु कर्जा विभाग के प्रणालीनिक नियंत्रण के अधीन किसी लोक निधिक अनुसंधान संस्थान द्वारा (जिसे इसके पालनातार "आयातकर्ता" कहा गया है), भारत में आयात किया जाए तो—

(क) सीमाशूक टैरिफ प्रधिनियम, 1975 (1975 का 57) की पहली अनुमूली के अधीन उम पर उद्घटणीय मम्पुर्ण सीमाशूक में, और

(ख) उक्त सीमाशूक टैरिफ प्रधिनियम की धारा 3 के अधीन उम पर उद्घटणीय मम्पुर्ण प्रतिक्रिया शूलक में,

निम्नलिखित शर्तों के प्रधीन रखने हुए छूट देती है, प्रवर्त्तः—

(1) तकनीकी विकास महानिवेशालय, भारत मंत्रालय का कोई अधिकारी, जो श्रीराष्ट्रीय मंत्रालय की पंक्ति से नीचे का न तो, प्रथेक सामने में यह प्रमाणित करता है कि ऐसे खपते वाले माल का जिसके मंदिर में इस अधिमूलना के प्रधीन छूट का दावा किया गया है, विनिर्दित भारत में नहीं किया जाता है और ऐसा प्रमाणवत् निकामी के समय या ऐसी प्रवर्धी के भीतर जो महायक सीमाशूक कलक्टर पर्यावरण कारण दर्शन किए जाने पर प्रथेक सामने में अनुज्ञात कर, आयातकर्ता द्वारा प्रम्पुर्ण किया जाता है;

(2) आयातकर्ता में प्रणालीनिक रूप से सम्बद्ध विभाग में भारत राजकार का कोई अधिकारी, जो उप मंत्रिव की पंक्ति से नीचे का न तो, प्रथेक गामते में यह प्रमाणित करता है कि ऐसे खपते वाला माल, जिसके मंदिर में इस अधिमूलना के प्रधीन छूट का दावा किया गया है, आयातकर्ता के अनुसंधान संबंधी अधिकारीयों के लिए प्रोत्साहित है और आयातकर्ता किसी

वाणिज्यिक क्रियाकलाप में नहीं लगा हुआ है और वह इन प्रधिमूलनों के अधीन छृट की भौती के लिए मिफार्डिश करता है और ऐसा प्रमाणपत्र निकासी के भवय या ऐसी घबड़ि के भीतर जो बहावक नीमाशुल्क कलेक्टर वर्चन कारण दर्शन किया जाने पर प्रथेक भास्ते में अनुग्रात करे, आवश्यकता द्वारा प्रमूल किया जाता है।

(3) आवश्यकता वाली संस्था का प्रबान्धन प्रथेक भास्ते में यह प्रमाणित करता है कि ऐसे वाली वाले भाव का, जिसके संबंध में इस प्रधिमूलन के अधीन छृट का दावा किया गया है, केवल अनुसंधान के प्रवीजनों के लिए उपयोग किया जाएगा और उसका किसी अन्य उद्दिष्ट को अत्यरण नहीं किया जाएगा।

स्पष्टीकरण:—इस प्रधिमूलन के प्रवीजनों के लिए अधिकारित—
 (क) “लोक-निविधि प्रमुखधान संस्था” से ऐसी कोई अनुसंधान संस्था अधिकृत है, जिसकी बाजा में आवश्यक व्यव के 50 प्रतिशत से अल्पन का केवल सरकार वा किसी राज्य सरकार या किसी भौत राज्य द्वारा प्रबान्धन द्वारा बहन किया जाता है;
 (म) नस्था के “प्रबान्धन” से उसका निवेदक (जो है वह किसी भी नाम से शात हो) अधिकृत है।

[का.सं. 346/19/89-टीमार्क्य]

MINISTRY OF FINANCE

(Department of Revenue)

NOTIFICATIONS

New Delhi, the 1st August, 1989

NO. 213/89-CUSTOMS

G.S.R. 733(E).—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 25 of the Customs Act, 1962 (52 of 1962), the Central Government, being satisfied that it is necessary in the public interest so to do, hereby exempts consumable goods, when imported into India by a public-funded research institution under the administrative control of the Department of Space or the Department of Atomic Energy of the Government of India (hereinafter called “importer”), from—

- (a) the whole of the duty of customs leviable thereon under the First Schedule to the Customs Tariff Act, 1975 (57 of 1975); and
- (b) the whole of the additional duty leviable thereon under section 3 of the said Customs Tariff Act, subject to the following conditions, namely :—
 - (i) an officer of the Directorate General of Technical Development, Government of

India, not below the rank of Industrial Adviser certifies in each case that the consumable goods in respect of which the exemption is claimed under this notification are such as are not manufactured in India and such certificate is produced by the importer at the time of clearance or within such period as the Assistant Collector of Customs may, on sufficient cause being shown, allow in each case;

- (ii) an officer of the Government of India not below the rank of Deputy Secretary in the Department administratively concerned with the importer certifies in each case that the consumable goods in respect of which the exemption is claimed under this notification are such as are required for the research activity of the importer and the importer is not engaged in any commercial activity and recommends the grant of exemption under this notification, and such certificate is produced by the importer at the time of clearance or within such period as the Assistant Collector of Customs may, on sufficient cause being shown, allow in each case;
- (iii) the Head of the importing institution certifies in each case that the consumable goods in respect of which exemption is claimed under this notification shall be used only for the purposes of research and shall not be transferred to any other person.

EXPLANATION—

For the purposes of this notification, the expression—

- (a) “public-funded research institution” means a research institution in the case of which not less than fifty per cent of the recurring expenditure is met by the Central Government or the Government of any State or the administration of any Union Territory;
- (b) “Head” of the institution means the Director thereof (by whatever name called).

[F. No. 346/19/89-TRU]

का.सं. 214/89-सीमाशुल्क

का.सं. 734(प्र).—केन्द्रीय सरकार, वित्त अधिनियम, 1989 (1989 का 13) की आरा, 35 की उपधारा (4) के साथ पठित नीमाशुल्क अधिनियम, 1962 (1962 का 52) की आरा 25 की उपधारा (1) द्वारा प्रबन्ध विकासों का प्रबोग करते हुए, अपन यह समाधान

हो जाने पर कि लोक हित में ऐसा करना आवश्यक है, भारत सरकार के निच मंत्रालय, ३१ जस्त विभाग की अधिसूचना संख्या १५१/८९-सीमाशुल्क तारीख १२ मई, १९८९ में निम्नलिखित और संशोधन करती है, अबार्तु :—

उक्त अधिसूचना में, अनुमूली में, कम संख्या २६६ और उससे संबंधित प्रविष्टि के पश्चात् निम्नलिखित कम संख्या और प्रविष्टि अस्त्रस्थापित की जाएगी, अबार्तु :—

"२६७. संख्या २१३/८९-सीमाशुल्क, तारीख १ अगस्त, १९८९"

[का.सं. ३४६/१२/टी भारत]
टी. प्रेम कुमार, उप सचिव

NO. 214/89-CUSTOMS

G.S.R. 734(E).—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 25 of the Customs Act, 1962 (52 of 1962), read with sub-section (4)

of section 35 of the Finance Act, 1989 (13 of 1989), the Central Government, being satisfied that it is necessary in the public interest so to do, hereby makes the following further amendment in the notification of the Government of India in the Ministry of Finance, Department of Revenue No. 159/89-Customs, dated the 12th May, 1989, namely :—

In the Schedule to the said notification, after serial number 266 and the entry relating thereto, the following serial number and entry shall be inserted, namely :—

"२६७. No. २१३/८९-Customs, dated the १st August, १९८९."

[F. No. 346/19/89-TRU]
T. PREM KUMAR, Dy. Secy.

